आत्मा की शक्ति नष्ट होती नकारात्मक व व्यर्थ विचारों से

रायपुर छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ के शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में आयोजित '7 दिवसीय योग महोत्सव' का सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ के पश्चात् छत्तीसगढ़ योग-आयोग के अध्यक्ष रूप नारायण सिन्हा ने कहा कि योग- जीवन जीने की कला व मन को शान्त रखने का सर्वश्रेष्ठ उपाय है। हमारी भारतीय संस्कृति श्रेष्ठ और गौरवमयी है। यह सबको जोड़ने वाली है। पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने कहा कि राजयोग में आत्मा का सम्बन्ध परमात्मा से जोड़ते हैं तो शरीर और प्रकृति दोनों को फायदा मिलता है। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानन्द शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री की सलाह मानकर संयुक्त राष्ट्र ने पूरे वर्ष का 21 जून का दिन सबसे बड़ा होता है इसलिए इस दिन को योग दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सविता बहन ने बताया कि योग शब्द का अर्थ होता है जोड़ना। अध्यात्म के सन्दर्भ में आत्मा का सम्बन्ध परमात्मा से जोड़ना ही सच्चा योग है। सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक हीरालाल, भारतीय योग संस्थान के अध्यक्ष मुकेश सोनी और वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. चन्द्रकला ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर ब्र.कु. सविता ने सभी अतिथियों को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया, सभा में उपस्थित लोगों को राजयोग का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया।

समाज के नवनिर्माण का मूल मंत्र- आध्यात्मिक सशक्तिकरण

चार दिवसीय महिला सशक्तिकरण सम्मेलन का सफल आयोजन

माउंट आबू (ज्ञान सरोवर)राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान सरोवर परिसर में आयोजित 'राजयोग शिविर एवं राष्ट्रीय महिला सम्मेलन' के उद्घाटन सत्र में श्रीमती कृष्णा गौर, राज्यमंत्री(स्वतन्त्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग,मध्यप्रदेश ने कहा कि महिला आध्यात्मिक सशक्तिकरण का विषय संवाद का नहीं समाज के नवनिर्माण का मूल मंत्र है। यह सांस्कृतिक एवं आत्मिक जागरण का आह्वान है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सच्चा सशक्तिकरण बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होता है। भरतपुर की सबसे कम उम्र की सांसद संजना जाटव ने कहा कि महिला दुर्गा का रूप है। उसके अंदर धैर्यता, सहनशीलता का गुण है जिससे कठिन परिश्रम कर वह परिवार, समाज और देश की सेवा करती है। भाजपा की महिला मोर्चा की राष्ट्रीय सचिव श्रीमती दीप्ति रावत भारद्वाज ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ तथा भाजपा पार्टी के कार्यों में समानता है। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा महिला सशक्तिकरण का कार्य अत्यंत सराहनीय है। महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका राजयोगिनी ब्र.कु. शारदा दीदी ने कहा कि महिला संस्कृति की संवाहक है। आध्यात्मिक सशक्तिकरण ही जीवन की समस्या का समाधान है। 'अंतर्योग फाउंडेशन' के संस्थापक आचार्य उपेन्द्र,नवी मुंबई ने आदर्श समाज भारत बनाने की बात कही। महिला प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी ने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ी हैं लेकिन अब बात है आध्यात्मिक सशक्तिकरण की। समाज में फैले हुए विषय विकारों से मुक्ति दिलाने के लिए चंद बहनों ने अपना जीवन त्याग, तपस्या, सेवा द्वारा जगत माता का रूप लिया। मानव जीवन का सुख आध्यात्मिकता द्वारा ही संभव है। राजयोगिनी ब्र.कु. शीला दीदी, वाशी,नवी मुंबई ने सभी प्रतिनिधियों को राजयोग की अनुभूति कराकर गहरी शान्ति की अनुभूति कराई। महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका राजयोगिनी ब्र.कु. सविता ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। सम्मेलन में ज्ञानलीला व खुले सत्र का आयोजन किया गया।

दीप प्रज्वलित करते हुए महिला प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी, श्रीमती कृष्णा गौर, राज्यमंत्री स्वतन्त्र प्रभार, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग,मध्यप्रदेश, सांसद संजना जाटव, भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय सचिव श्रीमती दीप्ति रावत भारद्वाज, अंतर्योग फाउंडेशन के संस्थापक आचार्य उपेन्द्र,नवी मुंबई, महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. सविता, ब्र.कु. शीला,वाशी,नवी मुंबई, ब्र.कु. शारदा दीदी,राजौरी गार्डन,दिल्ली तथा अन्य।

श्रीनगर से वैश्विक संस्कृति-प्रेम-शान्ति-सद्भावना अभियान का शुभारम्भ

श्रीनगर उत्तराखंड। कला एवं संस्कृति प्रभाग द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ के दादी मनोहर इंद्रा राजयोग भवन श्रीनगर,उत्तराखंड में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर और भव्य उद्घाटन समारोह का सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कला एवं संस्कृति प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. चंद्रिका दीदी,अहमदाबाद ने कहा कि भारतीय प्राचीन संस्कृति और सभ्यता प्रति दिव्य जागृति फैलाने के लिए, देश के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों एवं संस्थानों के साथ ही कम्युनिटी में जाकर अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आत्म-चिंतन, आत्म-सम्मान और आत्म-प्रेम बढ़ाने से स्वतः ही दूसरों को हमसे शान्ति, प्रेम और शक्ति की अनुभूति होती रहेगी। विधायक भरत सिंह चौधरी,रुद्रप्रयाग ने कहा कि राजयोग ही वह मार्ग है जिससे हमें सुख-दुःख, लाभ-हानि में एक समान रहना सिखाता है। ब्र.कु. प्रेम दीदी,नेशनल कोऑर्डिनेटर कला एवं संस्कृति प्रभाग एवं सबजोन इंचार्ज,करनाल ने बताया कि यह अभियान वर्तमान में 14 राज्यों में चल रहा है जिसका 2026 में राष्ट्रपति भवन में भव्य समापन समारोह रखा जाएगा। ब्र.कु. राधेश्याम गर्ग,चंडीगढ़,मैनेजिंग डायरेक्टर सोनालिका प्रिंट्स ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का शुभकामना संदेश पढ़कर सुनाया जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में चल रहे चार धाम यात्रा के दौरान शानदार अभियान के द्वारा अलख जगा कर चार चांद लग गए हैं। उन्होंने समस्त ब्रह्माकुमारीज़ परिवार को कार्यक्रम की सफलता हेतु अपनी बधाई दी। विधायक विनोद कंडारी,देवप्रयाग ने इस आयोजन को समाज हित में प्रेरणादायक बताया और कार्यक्रम में निमंत्रण देने पर संस्था का आभार व्यक्त किया। श्याम वीर सैनी,राज्य मंत्री,उत्तराखंड सरकार ने कहा कि भारत युवा देश है और युवा हर देश की ताकत होते हैं किंतु हमें इन्हें नशे की बुरी आदत से बचाना होगा, जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ संस्था का नशा मुक्ति उत्तराखंड अभियान बहुत ही कारगर साबित होगा। राष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत पंडित हेमंत गुरु महाराज की सम्पूर्ण रामायण पर आधारित कथक नृत्य प्रस्तुति ने लोगों को मंत्र मुग्ध किया। प्रसिद्ध रंगकर्मी विमल बहुगुणा, तबलाचार्य अंकित पांडे,पिथौरागढ़, तबला वादक आयुष सामंत, ब्र.कु. पुनीत मेहता,हिमाचल प्रदेश, गीतकार ब्र.कु. सतीश व मिमिक्री आर्टिस्ट ब्र.कु. नितिन,माउंट आबू आदि ने भी अपनी कलाओं से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। ब्र.कु. सुनैना,ओ.आर.सी., ब्र.कु. हार्दिक ने ईश्वरीय सेवा करने का रचनात्मक प्रशिक्षण दिया। ब्र.कु. पूनम दीदी,नेशनल कोऑर्डिनेटर कला एवं संस्कृति विभाग ने सभी के प्रति प्रेम, शान्ति और सद्भावना रखने की प्रतिज्ञा करवाई। ब्र.कु. ऊषा,असीम द्वारा सभी उपस्थित माननीय अतिथियों एवं कार्यक्रम में पहुंचे हुए भाई-बहनों का स्वागत किया। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका एवं कोऑर्डिनेटर समाज सेवा प्रभाग,उत्तराखंड ब्र.कु. नीलम एवं ब्र.कु. सरिता,असीम ने कुशल मंच संचालन किया।

जीवन में सद्भावना व समरसता होगी तो सुखद होगी जीवन यात्रा

माउंट आबू ज्ञान सरोवर(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ के जहाजरानी एवं परिवहन प्रभाग द्वारा नए क्षितिज की ओर... विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. मीरा बहन ने कहा कि जितनी बाहरी यात्रा मूल्यवान है उतनी ही आंतरिक यात्रा भी मूल्यवान है। लक्ष्य की ओर तीव्रता से बढ़ते हुए हम आसपास के मनभावन नज़ारों को नज़रअंदाज़ नहीं करें। संसार एक किताब है और हम यात्रा द्वारा ही इसके हर पन्ने को देख सकते हैं। हमारे जीवन में सद्भावना व समरसता होगी तो यात्रा भी सुखद होगी। ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. करुणा ने कहा कि 1960 में जब मैं पहली बार यहां माउंट आबू में ब्रह्माकुमारीज़ के सम्पर्क में आया तो मुझे पहला पाठ पढ़ाया गया था कि आप कौन हैं? मैंने स्वयं का सत्य परिचय जाना कि मैं इस देह में विराजमान चैतन्य शक्ति आत्मा हूँ। मैं आत्मा यात्रा पर हूँ, मैं शरीर नहीं हूँ। मैं आत्मा भिन्न-भिन्न देह रूपी वस्त्र धारण कर यात्रा कर रही हूँ। इस यात्रा में हमें कर्म के विधान को सम्मुख रखना चाहिए कि हम स्वयं को तो सुखी रखें लेकिन साथ ही दूसरे को भी सुख मिले, ऐसा कर्म करें। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी ने कहा कि परमपिता परमात्मा द्वारा प्राप्त हुई दिव्य बुद्धि, दिव्य ज्ञान द्वारा हम आनंदित होते हैं। आत्मा लाइट है तो लाइफ है, अगर आत्मा प्रकाश देह से निकल जाता तो यात्रा समाप्त हो जाती है। अंतर्जगत को जानकर ही बाहरी जगत के सत्य स्वरूप को जाना जा सकता है। परमात्म श्रीमत पर कर्म करने से भाग्य जागृत हो जाता है। केन्द्रीय सरकार में उप निदेशक नरेश कुमार,विशाखापट्टनम ने कहा कि यहां आकर मुझे पता चला कि मैं कौन हूँ। अभी तक मैं इस देह के नाम से ही खुद को पहचानता था, लेकिन यहां आकर मुझे मेरे सत्य स्वरूप का ज्ञान हुआ है। सच्ची आध्यात्मिक यात्रा का मुझे यहां अनुभव हो रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि ब्रह्माकुमारीज़ में आकर मैं सर्व अलौकिक प्राप्तियां कर पाऊंगा। मुझे बहुत खुशी हो रही है कि मैं आध्यात्मिक यात्रा में इस परिवार से जुड़ गया हूँ। के.वी. इन्टरप्राइज़ेस के निदेशक राकेश कादू ने कहा कि यहां आकर बहुत अलग अलौकिक अनुभूति हो रही है। जहाजरानी मंत्रालय में वरिष्ठ प्रबंधक आशीष चावला भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. कमलेश ने सभी का स्वागत किया। ब्र.कु. प्रशान्त ने कार्यक्रम का संचालन किया।